भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 728 जिसका उत्तर
शुक्रवार, 29 नवंबर, 2024/8 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाना है

पूर्वोत्तर राज्यों में अंतर्देशीय जलमार्ग परियोजनाएं

+728. श्री प्रद्युत बोरदोलोई :

क्या पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) सिक्किम सहित पूर्वोत्तर राज्यों में अंतर्देशीय जलमार्गों के विकास के लिए केन्द्रीय क्षेत्र योजना (सीएसएस) के अंतर्गत इसकी स्थापना के बाद से कितनी धनराशि स्वीकृत और उपयोग की गई है;
- (ख) उपर्युक्त सीएसएस के अंतर्गत स्वीकृत सभी परियोजनाओं के अंतर्गत की गई भौतिक प्रगति का ब्यौरा क्या है तथा इसके लिए क्या समय सीमा निर्धारित की गई है;
- (ग) असम में ब्रह्मपुत्र और बराक नदियों पर विभिन्न अस्थायी और स्थायी जेटी की स्थिति और भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण द्वारा ब्रह्मपुत्र के 88 स्थानों पर गाद निकालने की क्या स्थिति है; और
- (घ) उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में नव विकसित अंतर्देशीय जलमार्ग परियोजनाओं के परिणामस्वरूप व्यापार और आर्थिक क्रिया-कलापों में अनुमानित कितनी वृद्धि होने का अनुमान है?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): सिक्किम सहित पूर्वोत्तर राज्यों में अंतर्देशीय जलमार्गों के विकास के लिए केन्द्रीय क्षेत्र योजना (सीएसएस) के तहत स्वीकृत और उपयोग की गई धनराशि का विवरण अनुबंध-1 में दिया गया है।

(ख): पूर्वोत्तर क्षेत्र में सीएसएस के तहत उपर्युक्त योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत सभी परियोजनाओं के तहत की गई वास्तविक प्रगति और निर्धारित समय-सीमा का विवरण अनुबंध-2 में दिया गया है।

(ग): असम में ब्रह्मपुत्र और बराक नदियों के विभिन्न फ्लोटिंग और स्थायी जेटियों की स्थिति और ब्रह्मपुत्र की ड्रेजिंग की स्थिति अनुबंध-3 में दी गई है।

(घ): पूर्वोत्तर क्षेत्र में नव विकसित अंतर्देशीय जलमार्ग परियोजनाओं से जमीनी स्तर पर व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाने में मदद मिली है। कार्गो की आवाजाही का विवरण अनुबंध-4 में दिया गया है।

पूर्वोत्तर राज्यों में केंद्रीय क्षेत्र योजना (सीएसएस) के अंतर्गत अंतर्देशीय जलमार्गों के विकास के लिए स्वीकृत और उपयोग की गई निधि

क्र.सं.	राज्य का नाम	परियोजना का नाम	स्वीकृत निधि	जारी की गई निधि
1.	असम	सी.एस.एस. के अंतर्गत असम में ब्रह्मपुत्र नदी के 15 फेरी घाट तट पर 17.0 मीटर लंबे 15 फ्लोटिंग टर्मिनलों का निर्माण।	6.0749 करोड़ रु.	4.9147 करोड़ रु.
		सी.एस.एस. के अंतर्गत असम में ब्रह्मपुत्र नदी के 25 फेरी घाट तट पर 17.0 मीटर लंबे 25 फ्लोटिंग टर्मिनलों का निर्माण।	10.9787 करोड़ रु.	6.5914 करोड़ रु.
		सी.एस.एस. के अंतर्गत असम में बराक नदी के 15 फेरी घाट तट पर 17.0 मीटर लंबे 15 फ्लोटिंग टर्मिनलों का निर्माण।	6.3691 करोड़ रु.	रु. 1.2338 करोड़.
		सीएसएस के तहत असम में ब्रह्मपुत्र नदी के फेरी घाट पर 25.0 मीटर लंबे 16 फ्लोटिंग टर्मिनलों का निर्माण	13.7016 करोड़ रु.	2.7403 करोड़ रु.
		विभिन्न आकार और क्षमता के यात्री जहाजों का निर्माण, टर्मिनल सुविधाओं का निर्माण और आईडब्ल्यूटी, असम के चालक दलों का क्षमता निर्माण	25 करोड़ रु.	3.2879 करोड़ रु.
2.	मणिपुर	केंद्रीय क्षेत्र योजना के अंतर्गत सहायता के लिए लोकतक अंतर्देशीय जलमार्ग सुधार परियोजना।	25.58 करोड़ रु.	5.117 करोड़ रु.
		मणिपुर में लोकतक झील के लिए लोकतक अंतर्देशीय जल परिवहन परियोजना-II	7.8842 करोड़ रु.	7.8842 करोड़ रु.
3.	त्रिपुरा	बांग्लादेश में मेघना नदी प्रणाली के साथ संपर्क स्थापित करने के उद्देश्य से त्रिपुरा की गोमती नदी में अंतर्देशीय जल परिवहन के विकास के लिए संशोधित परियोजना प्रस्ताव।	24.5257 करोड़ रु.	4.905 करोड़ रु.
4.	मिजोरम	मिजोरम में छिमटुईपुई नदी पर हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण और आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययन का आयोजन	0.82305 करोड़ रु.	0.7818 करोड़ रु.
		मिजोरम में लुंगलेई जिले में ख्वाथलांगतुईपुई-तुइचावंग नदी पर आईडब्ल्यूटी का विकास।	6.178 करोड़ रु.	1.2357 करोड़ रु.
		मिजोरम में छिमटुईपुई नदी पर अंतर्देशीय जल	1.41 करोड़ रु.	-

		परिवहन के विकास के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का प्रस्ताव- संबंधी		
		मिजोरम में त्वांग नदी (रा.ज.-102) में अंतर्देशीय जल परिवहन के विकास के लिए डीपीआर तैयार करना	0.89 करोड़ रु.	-
5.	नागालैंड	केंद्रीय क्षेत्र योजना के तहत नागालैंड में नौने और शिलोई झील में जल क्रीड़ा और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए डीपीआर तैयार करना	0.90 करोड़ रु.	-
		डोयांग जलाशय, वोखा नागालैंड में आईडब्ल्यूटी के विकास के लिए डीपीआर तैयार करना	0.85 करोड़ रु.	-

पूर्वोत्तर क्षेत्र में सी.एस.एस. के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं की भौतिक प्रगति और निर्धारित समय-सीमा:

क्रम. नहीं।	राज्य का नाम	परियोजना का नाम	स्थिति
1.	असम	सी.एस.एस. के अंतर्गत असम में ब्रह्मपुत्र नदी के 15 फेरी घाट तट पर 17.0 मीटर लंबे 15 फ्लोटिंग टर्मिनलों का निर्माण।	परियोजना को 23.06.2014 को मंजूरी दी गई। परियोजना पूर्ण हुई।
		सी.एस.एस. के अंतर्गत असम में ब्रह्मपुत्र नदी के 25 फेरी घाट तट पर 17.0 मीटर लंबे 25 फ्लोटिंग टर्मिनलों का निर्माण।	परियोजना को 19.01.2018 को मंजूरी दी गई 25 फ्लोटिंग टर्मिनलों में से 12 का निर्माण आंशिक रूप से पूरा हो चुका है। असम सरकार ने बताया है कि लागत में वृद्धि के कारण ठेकेदार ने शेष 13 फ्लोटिंग टर्मिनल का काम करने से इनकार कर दिया है। इसलिए असम सरकार ने परियोजना को बंद कर दिया है। मंत्रालय ने असम सरकार से अनुरोध किया है कि वह अब तक अर्जित ब्याज सहित अप्रयुक्त राशि को भारत की समेकित निधि (सीएफआई) में वापस कर दे तथा शेष फ्लोटिंग टर्मिनलों की आवश्यकता का पुनर्मूल्यांकन करे तथा इस मंत्रालय के विचारार्थ एक नया प्रस्ताव/परियोजना (यदि आवश्यक हो) तैयार करे।
		सी.एस.एस. के अंतर्गत असम में बराक नदी के 15 फेरीघाट तट पर 17.0 मीटर लंबे 15 फ्लोटिंग टर्मिनलों का निर्माण।	परियोजना को 24.01.2018 को मंजूरी दी गई कार्य पूरा न होने के कारण पहले का कार्य आदेश रद्द कर दिया गया है। इसके बाद 05.10.2023 को नया एनआईटी कार्य आदेश जारी किया गया है। अभी तक कोई वास्तविक और वित्तीय प्रगति प्राप्त नहीं हुई है।
		सी.एस.एस. के अंतर्गत असम में ब्रह्मपुत्र नदी के फेरी घाट पर 25.0 मीटर लंबे 16 फ्लोटिंग टर्मिनलों	परियोजना को 25.01.2018 को मंजूरी दी गई। 16 टर्मिनलों में से 03 टर्मिनल पूरे हो गए हैं। ठेकेदार द्वारा कार्य का निष्पादन न किए जाने के कारण असम सरकार ने परियोजना को बंद कर दिया

		का निर्माण।	है।
		विभिन्न आकार और क्षमता के यात्री जलयानों का निर्माण, टर्मिनल सुविधाओं का निर्माण और आईडब्ल्यूटी, असम के चालक दल की क्षमता निर्माण।	18.03.2024 को परियोजना स्वीकृत, निविदा जारी।
2.	मणिपुर	मणिपुर में लोकतक झील के लिए लोकतक अंतर्देशीय जल परिवहन परियोजना-II	परियोजना को 29.03.2016 को मंजूरी दी गई परियोजना पूरी हो गई।
		केंद्रीय क्षेत्र योजना के अंतर्गत सहायता के लिए लोकतक अंतर्देशीय जलमार्ग सुधार परियोजना।	परियोजना को 31.10.2019 को मंजूरी दी गई यह परियोजना शुरू नहीं की जा सकी क्योंकि माननीय मणिपुर उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की गई थी और लोकतक झील में कोई भी विकास कार्य शुरू न करने के लिए 17.07.2019 को स्थगन लगाया गया था। इसके बाद मणिपुर सरकार ने परियोजना को रद्द कर दिया। आज तक मणिपुर सरकार द्वारा लौटाई गई 4,84,26,484 रुपए की राशि आईडब्ल्यूएआई द्वारा सीएफआई में जमा कर दी गई है तथा शेष राशि, उस पर ब्याज सहित, अभी मणिपुर सरकार से प्राप्त नहीं हुई है।
3.	त्रिपुरा	बांग्लादेश में मेघना नदी प्रणाली के साथ संपर्क स्थापित करने के उद्देश्य से त्रिपुरा में गोमती नदी में अंतर्देशीय जल परिवहन के विकास के लिए संशोधित परियोजना प्रस्ताव।	परियोजना को 10.02.2022 को मंजूरी दी गई समग्र भौतिक प्रगति 55% है।
4.	मिजोरम	मिजोरम में छिमटुईपुई नदी पर हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण और आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययन का आयोजन	परियोजना को 14.09.2022 को मंजूरी दी गई परियोजना पूर्ण हुई।
		मिजोरम में लुंगलेई जिले में	परियोजना को 30.12.2021 को मंजूरी दी गई।

		<p>ख्वाथलांगतुईपुई-तुइचावंग नदी पर आईडब्ल्यूटी का विकास।</p>	<p>मिजोरम सरकार द्वारा कुल 50,67,873 रुपए का उपयोग किया गया है, जबकि शेष 77,89,171 रुपए आईडब्ल्यूएआई को वापस कर दिए गए हैं तथा सीएफआई को अभ्यर्पित कर दिए गए हैं।</p> <p>मिजोरम सरकार द्वारा परियोजना के क्रियान्वयन में देरी के कारण मंत्रालय ने परियोजना को अपने हाथ में लेने के लिए आईडब्ल्यूएआई को कार्यान्वयन एजेंसी नियुक्त किया है।</p>
		<p>मिजोरम में छिमटुईपुई नदी पर अंतर्देशीय जल परिवहन के विकास के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का प्रस्ताव।</p>	<p>दिनांक 21.10.2024 को आईडब्ल्यूएआई (परियोजना कार्यान्वयन एजेंसी) को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई।</p>
		<p>मिजोरम में त्वांग नदी (रा.ज.-102) में अंतर्देशीय जल परिवहन के विकास के लिए डीपीआर की तैयारी</p>	<p>दिनांक 14.11.2024 को आईडब्ल्यूएआई (परियोजना कार्यान्वयन एजेंसी) को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई।</p>
5.	नगालैंड	<p>केंद्रीय क्षेत्र योजना के तहत नागालैंड में नौने और शिलोई झील में जल क्रीडा और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए डीपीआर तैयार करना</p>	<p>22.10.2024 को आईडब्ल्यूएआई (परियोजना कार्यान्वयन एजेंसी) को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई।</p>
		<p>डोयांग जलाशय, वोखा नागालैंड में आईडब्ल्यूटी के विकास के लिए डीपीआर तैयार करना</p>	<p>24.09.2024 को आईडब्ल्यूएआई (परियोजना कार्यान्वयन एजेंसी) को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई।</p>

असम में ब्रह्मपुत्र और बराक नदियों पर विभिन्न फ्लोटिंग और स्थायी जेट्टियों की स्थिति और ब्रह्मपुत्र की ड्रेजिंग:

ब्रह्मपुत्र नदी:

- पांडु पत्तन और धुबरी में स्थायी टर्मिनल चालू हैं।
- जोगीघोषा मल्टी-मॉडल टर्मिनल (एमएमटी) का निर्माण पूरा हो गया।
- यात्रियों के चढ़ने/उतरने और कार्गो की लोडिंग/अनलोडिंग के लिए ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे 12 (बारह) स्थानों पर फ्लोटिंग टर्मिनल उपलब्ध कराए गए हैं: i) धुबरी, ii) जोगीघोषा, iii) पांडु, iv) उज्जानबाजार, v) तेजपुर vi) सिलघाट, vii) विश्वनाथघाट, viii) नेमाटी, ix) अफलामुख, x) बोगीबील, xi) बिंद्याकाटा और xii) गुइजान,
- बोगीबील में कार्गो-सह-पर्यटक जेटी का निर्माण (चरण-I) पूरा हो गया है।

बराक नदी:

- करीमगंज और बदरपुर में स्थायी आईडब्ल्यूटी टर्मिनल चालू।
- बराक नदी के किनारे यात्रियों के चढ़ने/उतरने तथा बदरपुर में माल चढ़ाने/उतारने के लिए फ्लोटिंग टर्मिनल की व्यवस्था की गई है।

ब्रह्मपुत्र में ड्रेजिंग: जलयानों की सुरक्षित आवाजाही के लिए, नौचालन चैनल की 2 से 2.5 मीटर की आवश्यक गहराई और 35 से 45 मीटर की चौड़ाई का फेयरवे बनाए रखा जाता है। फेयरवे के रखरखाव के लिए, अन्य साधनों (बंडलिंग, चैनल स्थिरीकरण कार्य आदि) के अलावा, स्थल की स्थितियों के अनुसार रखरखाव ड्रेजिंग की जाती है, जहां पाक्षिक हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षणों के दौरान दर्ज की गई गहराई लक्षित एलएडी से कम होती है।

अक्तूबर 2019-20 से 2024-25 तक पूर्वोत्तर क्षेत्र के राष्ट्रीय जलमार्गों में कार्गो की आवाजाही मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) में निम्नानुसार है:

राष्ट्रीय जलमार्ग	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25 अक्तूबर तक
रा.ज.-2 (ब्रह्मपुत्र नदी (धुबरी-सदिया))	0.39	0.31	0.43	0.63	0.59	0.51
रा.ज.-16 (बराक नदी)	0.004	0.001	0.01	0.01	0.003	0.10
रा.ज.-31 (धनसिरी/चाथे)	-	-	-	-	0.01	0.002
कुल	0.40	0.31	0.43	0.64	0.60	0.61

अक्तूबर, 2024 तक 2024-25 के लिए यातायात आवागमन पहले ही 2023-24 में हुए कुल कार्गो यातायात से अधिक हो चुका है।